RC 24 LMI 3954

राजनैतिक दल एंव युवा संगठन : मुद्दें एवं पारस्परिक सम्बन्ध

शालिनी यादव, शोध छात्रा, समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।

समकालीन समाज में युवाओं की रूचि एवं सहभागिता राजनीति की ओर राष्ट्र निर्माण, करियर, प्रसिद्धि, शक्ति, सत्ता एवं धन प्राप्ति जैसे उद्देश्यों की पूर्ति के लिये बढ़ रही है। राजनैतिक दल भी युवाओं को मत राजनीति हेतु विभिन्न युवा केन्द्रित संगठनों द्वारा परियोजित करते हैं। प्रस्तुत शोध चयनित युवा संगठनों के मुद्दों एवं राजनैतिक दलों के साथ इनके सम्बन्धों की प्रकृति पर प्रकाश डालने का प्रयास करता है। यह विश्लेषण राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय युवा संगठनों के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है, जो द्वैतियक स्त्रोतों के माध्यम से संग्रहीत आकड़ों के आधार पर है। इस अध्ययन के आधार पर स्पष्ट कहा जा सकता है कि, राजनैतिक युवा संगठन वृहत् स्तर पर साक्षरता अभियान, अस्पृश्यता, लिंग, जाति एवं प्रजाति भेदभाव का उन्मूलन, युवा एवं महिला सशक्तिकरण, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा, किसानों एवं मजदूरों को संगठित करना, उच्च शिक्षा व्यवस्था में सुधार, रोजगार अवसरों में वृद्धि, राज्य व्यवस्था के विरोध व प्रजातन्त्रीकरण जैसे मुद्दों के प्रति प्रयासरत् है। प्रकट रूप में, वैचारिक स्तर पर युवा संगठन अपने राजनैतिक दल से संचालित होते है। परन्तु अप्रकट रूप से, युवा अपनी गतिविधियों से राजनैतिक दल में अपना स्थान बनाना चाहते है साथ ही समाज के सन्दर्भ में वे शक्तिशाली व्यक्तित्व के रूप में उभरना चाहते है। जबकि राजनैतिक दल युवाओं को अपने हितों की पूर्ति एवं अपना स्थान बनाये रखने हेतु दबाव समूह के रूप में प्रयोग करते है। युवा संगठनों एवं राजनैतिक दलों के मध्य प्रकट रूप में सहयोगी परन्तु निहित रूप में द्वन्द्वात्मक एवं प्रतिस्पर्धात्मक सम्बन्ध पाये जाते है।